



Literacy for a Billion

Movie: Farz

Year: 1967

Song: Mast baharoon ka

Lyricist: Anand Bakshi

मस्त बहारों का मैं आशिक  
मैं जो चाहे यार करूँ  
चाहे गुलो के साए से खेलूँ  
चाहे कली से प्यार करूँ  
सारा जहाँ है मेरे लिए  
मेरे लिए

मैं हूँ वो दीवाना  
जिसके सब दीवाने  
हाँ  
मैं हूँ वो दीवाना  
जिसके सब दीवाने  
हाँ  
किसको है जरूरत  
तेरे ए ज़माने आँ  
मेरा अपना रास्ता  
दुनिया से क्या वास्ता  
मेरे दिल में तमन्नाओं की  
दुनिया जवाँ है  
मेरे लिए  
मेरे लिए

मस्त बहारों का मैं आशिक  
मैं जो चाहे यार करूँ  
चाहे गुलो के साए से खेलूँ  
चाहे कली से प्यार करूँ  
सारा जहाँ है मेरे लिए  
मेरे लिए  
मेरी आँखो से ज़रा

आँखे तो मिला दे हाँ  
मेरी आँखो से जरा  
आँखे तो मिला दे हाँ  
मेरी राहे रोक ले  
नज़रे तू बिछा दे हाँ  
तेरे सर की है कसम  
मैं जो चला गया सनम  
तो ये रूत भी चली जाएगी  
ये तो यहाँ है  
मेरे लिए  
मेरे लिए

मस्त बहारों का मैं आशिक  
मैं जो चाहे यार करूँ  
चाहे गुलो के साए से खेलूँ  
चाहे कली से प्यार करूँ  
सारा जहाँ है मेरे लिए  
मेरे लिए

सब को ये बता दो  
कह दो हर नज़र से हाँ  
सब को ये बता दो  
कह दो हर नज़र से हाँ  
कोई भी मेरे सिवा  
गुजरे ना इधर से हाँ  
बतला दो जहाँ को  
समझा दो फिज़ा को  
आए जाए यहाँ ना कोई  
ये गुलसिताँ है

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*



Literacy for a Billion

मेरे लिए

मेरे लिए

मस्त बहारों का मैं आशिक

मैं जो चाहे यार करूँ

चाहे गुलो के साए से खेलूँ

चाहे कली से प्यार करूँ

सारा जहाँ है मेरे लिए

मेरे लिए

मेरे लिए

मेरे लिए

मेरे लिए

मेरे लिए

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*